डॉ॰ किरण माला

संस्कृत विभाग

B॰A॰ part III Hons॰

समास

तत्पुरुष समास

सूत्र :- द्विगुश्च - द्विगु समास भी तत्पुरुष संज्ञक होता है । अर्थात द्विगु समास भी तत्पुरुष कहलाता है ।

तत्पुरुष समास का सूत्र ;-

<u>द्वितीया श्रितातीत -पतित-गतात्यस्त-प्राप्तापन्नैः -</u>

द्वितीयांत सुबंत का श्रित ,अतीत ,पतित ,गत ,अत्यस्त ,प्राप्त और आपन्न के साथ समास होता है । उदा ॰

1. श्रित - कृष्णम् श्रितः द्वितीयांत कृष्णम् का सुबन्त श्रितः से समास होकर कृष्णश्रितः रूप बना ।
2. अतीत - दुःखमतीत : इस विग्रह मे द्वितीयांत दुःखम् का सुबन्त अतीतः के साथ समास हुआ है । दुखातीतः रूप बना।
3. पतित - नरकम् पतित : इस विग्रह मे द्वितीयांत नरकम् का सुबन्त पतितः के साथ समास हुआ है । नरकपतितः रूप बना ।
4. गत - स्वर्गम् गत : इस विग्रह मे द्वितीयांत स्वर्गम् का सुबन्त गत : के साथ समास हुआ । स्वर्गगतः रूप बना।
5. अत्यस्त - कूपम् अत्यस्त इस विग्रह मे द्वितीयांत कूपम् का सुबन्त अत्यस्तः के साथ समास हुआ है ।कूपात्यस्तः रूप बना ।

6. प्राप्त - सुखम् प्राप्त: इस विग्रह मे द्वितीयांत सुबंत प्राप्त: के साथ समास हुआ और सुखप्राप्त: रूप बना ।

आपन्न -संकट्म् आपन्न्म् इस विग्रह मे द्वितीयांत संकटम् का सुबंत आपन्न्म् के साथ समास हुआ है और रूप बना संकटापन्न: रूप बना ।

तृतीया तत्कृतार्थेन गुणवचनेन :- तृतीयान्त सुबंत का उसके द्वारा किए गए गुणवची प्रातिपदिक के सुबंत के साथ और अर्थ प्रातिपदिक के सुबंत के साथ समस होता है । इस समास को तत्पुरुष समास कहते हैं ।

उदा॰ - शंकुल्या खण्ड: इस विग्रह मे तृतीयान्त शंकुल्या का सुबंत खण्ड: के साथ समास होकर शंकुलाखण्ड: रूप बनता है ।यहाँ पर यह ध्यान देना है कि गुणवाचक प्रातिपदिक का गुण जब तृतीयान्त सुबंत के द्वारा होगा, तभी समास होग अन्यथा समस नहीं होगा । उदा॰-शंकुल्या खण्ड : इस विग्रह मे तृतीयान्त शंकुल्या का तत्कृत (तृतीया के द्वारा किया हुआ) गुणवाचक सुबंत खण्ड : के साथ समास होकर रूप बनता है - <u>शंकुलाखण्ड:।</u>
<u>अक्ष्णाकाण :</u> उदाहरण मे अक्ष्णा तृतीयान्त है लेकिन गुणवाचक सुबंत काण: का गुण कानापन तृतीयान्त सुबंत अक्ष्णा के द्वारा नहीं अपितु उसके पूर्व जन्म के कर्मो के फलस्वरूप है अत: यहाँ कार्य कारण संबंध न होने के कारण समास नहीं होगा ।

कर्तृ-करणे कृता बहुलम्:- कर्ता और करण अर्थ मे वर्तमान तृतीयान्त सुबंत का सुबंत कृदन्त के साथ बहुलता से समास होता है उस समास को तत्पुरुष समास कहते हैं ।

उदा॰ हरिणा त्रात: विग्रह मे कर्ता अर्थ मे वर्तमान तृतीयान्त हरिणा का कृदन्त त्रात: के साथ समास होकर रूप बना है हरित्रात: ।

नखैर्भिन्न: उदाहरण मे कारण अर्थ मे वर्तमान तृतीयांत का नाखै : का कृदन्त भिन्न: के साथ समास होकर नखैर्भिन्न:रूप सिद्ध हुआ है ।

.....